संदेश

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 155वीं जयंती के अवसर पर मैं सभी देशवासियों की ओर से उनको विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं।

सत्य और अहिंसा के पुजारी बापू का जीवन अपने आप में पूरी मानवता के लिए अनुपम संदेश है। उनकी शिक्षाएं हमें शांति और सहयोग के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। गांधी जी अस्पृश्यता, निरक्षरता, अस्वच्छता और अन्य सामाजिक बुराइयों को मिटाने तथा महिला सशक्तीकरण के लिए निरंतर संघर्ष करते रहे।

गांधी जी शाश्वत मूल्यों के प्रतीक थे और नैतिकता पर आधारित आचरण ही उनका संदेश था। उनका संघर्ष समाज के कमजोर-से-कमजोर व्यक्ति को शक्ति और संबल प्रदान करने पर केन्द्रित था। गांधी जी के विचारों से विश्व की अनेक गणमान्य विभूतियां प्रभावित हुईं और अपनी कार्यशैली में उन विचारों को अपनाया।

आइए, इस पावन अवसर पर हम सत्य, अहिंसा, प्रेम और शुचिता के मूल्यों को आत्मसात कर गांधी जी के सपनों के भारत की संकल्पना के साथ, देश और समाज के विकास को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लें।

****